सेंट एल्बनस एंग्लिकन चर्च कोपनहेगन

सेंट एल्बन चर्च डेनमार्क का एक दी एंग्लिकन (बिशप) चर्च है जो १८८७ में पवित्र किया गया था । तब तक अंग्रेजी बोलनेवाला इसाइयों, कोपनहेगन और हेलसिंगोर में विभिन्न किराए के हाल में आराधना के लिए मिलते थे । सेंट एल्बनस चर्च, कैंटबरी आर्चबिशप के नेतृत्व में है जो दुनिया भर में एंग्लिकन समूह का हिस्सा है और यूरोप के सुबा में है । पूजा का आदेश चर्च ऑफ इंग्लैंड का है ।

चर्च का निर्माण

३० वर्षो का दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और धन जुटाने के बाद, १८८५ और १८८७ के बीच में चर्च गनाया गया। रॉयल पैलेस के निकट चर्च का जगह, राजकुमारी एलेक्सेंड्रा (१८४४–१९२४) की मदद से प्राप्त हुआ । राजकुमारी, राजा क्रि स्चियन ०९ (१८१८–१९०६) की बेटी थी । राजकुमारी के पति थे । एडवर्ड, प्रिंस ऑफ वेल्स (जो बाद में किंग एडवर्ड ऑफ ब्रिटन बना) प्रिंस एडवर्ड जो लंदन कोष जुटाने सीमती के अध्यक्ष थे, इस योजना में गहरी दिलचस्पी ली ।

१९ सितंबर १८८५ में राजकुमारी चर्च का नीव का पत्थर डाले । इस अवसर पर उनके साथ राजकुमार राजा क्रिस्चियन, रानी लुईस, रूस जार और जारीना (एलक्सेंडा की बहन) शामिल थे । उनके आलावा यूनानी और अन्य स्कैंडिनेवियाई शाही परिवार के सदस्य भी शामिल थे । दो साल बाद, १७ सिंतबर १८८७ को चर्च के अभिषक के लिए भी ये लौट आए ।

चर्च के बाहरी :

सेंट एल्बनस चर्च विक्टोरियन 'अर्ली अंग्रजी' गोथिक वास्तुकला का अच्छा उदाहरण है । इसकी डिजाइन विक्टोरियन चर्च वास्तुकार सर आर्थर ब्लोमफील्ड और डेनमार्क के वास्तुकार फ्रोफेसर एल फेंगर के देखरेख में बनाया गया था । चर्च की 'अंग्रेजी सादश्य' रूप के बावजूद, भवन निर्माण सामग्री डेनिश ही थे । पत्थर ड्रेसिंग 'फेक्स' के चूना पत्थर का है । बाहरी दीवारों, फाक चकमक पत्थर के साथ सामना किया है, जो की स्टेवन्स का है । फेक्स और स्टेवन्स दोनो दक्षिण सीलँड के जगह है । चर्च का शिखर स्वीडन में अलँड से कटौती पत्थर से बना है । छत श्रॉपशायर को ब्रोसली टाइल्स के साथ कवर की गई है । जमीन की प्रकृत के कारण चर्च ढेर पर बनाया गया था और तहखानों का फर्श स्थानीय जल स्तर से नीचे होने से, इसे एक स्वत: पंप द्वारा सूखा रखा था ।

चर्च के भीतरी :

चर्च के भीतरी भागों में १८८७ से लेकर अब तक ज्यादा कुछ बदलाव नही आया है । सिर्फ स्मारकों और स्मारक खिड़कियाँ के परिवर्धन तथा १९३०में विद्युत प्रकाश व्यवस्था और एक केंद्रीय हीटींग सिस्टम की स्थापना की गई है । भीतरी दीवार फेसिंग और कारनिस, महीन सफेद चूना पत्थर से बना जो 'फेक्स' का है । फर्श टाइल्स स्टाफर्ड शायर के कैम्पबल टाइल कंपनी द्वारा दान थे । फॉन्ट (जो बपतिस्मा के माध्यम से चर्च में सदस्यों का स्वागत के लिए दरवाजे से रखा है । पादरी का मंच और ऑल्टर पीस (रेरेडोस), टेरेकोटा और डोल्टन कंपनी से एक उपहार है ।

चर्च के ऑरगन (संगीत वाद्य), जे डब्ल्यू वॉकर एण्ड सन के द्वारा बनाया गया था और अभी भी मुल आवरण में रखा है । २००४/५ में 'डरहम' के हैरिसन एण्ड हैरिसन द्वारा इसका मरम्मत किया गया और १८८७ में स्थापित प्रारंभिक आठ है रिंगटन नल्लीदार घंटीयाँ अभी भी इस में है । लेकिन २०१३ में इसके साथ ७ अतिरिक्त घंटीयाँ लगाया गया है । चर्च आराधना से पहले और बाद, घंटी का गूंजना होता है । तिमाही घंटे और प्रत्येक घंटे पर भी यह अलग अलग भजन धुन सनाते.

यहाँ के काँच खिड़कियाँ तीन विभिन्न अवधियों का है । मुख्य भाग के खिड़कियाँ विक्टोरियन है और इसे १८८७ तथा १९०१ के बीच लंदन के हीटन बटलर और बेन द्वारा बनाया गया । पक्ष गलियारे के खिड़कियाँ जेफ्री वेब द्वारा बनाया गया था । जो एलेक्संडा स्मारक विभाग में है ।

बगलवाले चॅपल के खिड़कियाँ राजकुमारी विगो के स्मारक है जो एक स्थानीय कंपनी ने बनाया । इन खिडकियों का सफाई और पूरी तरह से मरम्म्मत करना २०११–२०१२ का एक प्रमुख संरक्षण परियोजना था ।

सेंट एल्बन

चर्च का नाम इंग्लैंड के पहले शहीद (सी ३०३ ई) एल्बन का है । एल्बन रोमन सैनिक था जो एक उत्पीडीत पादरी को आश्रय दिया । एल्बन पादरी के शिक्षा से प्रेरित होकर जब देश सैनिक पादरी को पकड़ने आए, तब पादरी के कपड़े पहनकर खुद को सैनिक के हवाले सौप दिया । जब मौत की सजाई सुनाई तब उन्होंने कहा ''मै सच्चा और जीवित परमेश्वर की आधारना और प्रेम करता हूँ जिसने सबकुछ बनाया एल्बन का विश्वास और हिम्मत से प्रेरित होकर पादरी भी खुद को सैनिक के हवाले सौप दिया । पौराणिक कथा के अनुसार एल्बन का अवशेष ओडिनसे (डेनमार्क) के सेंट मेरी और सेंट एल्बन चर्च में रखा गया है जहाँ आज भी सेंट एल्बन का नाम श्रद्धा करते है ।

चर्च के इतिहास और एक गाइड के बारे में अधिक जानकारी के लिए एक बुकलेट चर्च का प्रवेश द्वार में पाया जा सकता है ।

आज हम अंतरराष्ट्रीय और समावेशी चर्च परिवार है जो एंग्लिकन बिशप परंपरा के अनुसार परमेश्वर की आराधना करते है । सभी इसाई परंपराओं के लोगों और जो परमेश्वर की खोज कर रहे हैं उनका स्वागत करते हैं, उनका स्वागत करते है । वर्तमान में हमारी मंडली में २२ विभिन्न देशों के सदस्य है । गर्मियों में हमारे चर्च में पर्यटक तथा आराधना के लिए कई भक्तों का आना होता है । यदि आपके पास समय है, आप के लिए यह अवसर है कि आप एक मोमबत्ती को रोशन करें, प्रार्थना करे या अपनी प्रार्थना विनती चर्च के चॅपल में रखी गई पुस्तक में लिखे ।

चर्च युनाइटेड किंगडम से या डेनमार्क से किसी भी वित्तिय सहायता प्राप्त नही करता है ।
किसी भी रूप में आपका योगदान कुतज्ञता से स्वीकार्य है ।
आपका भेट, दान प्रसाद की थाली पर नार्तेस के दीवार सेफ में रखा जा सकता है ।

सेंट एल्बनस के आने के लिए धन्यवाद हम आपका हर आर्शीवाद का कामना करते हैं और जल्द ही फिर से देखने की उम्मीद हैं ।